IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' द्वारा शैक्षिकनवाचार : नैतिकशिक्षा के विशेषसंदर्भमें

कविता रुस्तगी
शोधार्थी
श्रीवेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी, गजरौला, उत्तरप्रदेश

डॉ. नाहिदपरवीन
शोध निर्देशिका
श्रीवेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी, गजरौला, उत्तरप्रदेश

सारांश–

प्रस्तुत शोध अध्ययन का उद्देश्य भारत की आधुनिकशिक्षा प्रणालीमेंलोपहोतेनैतिकमूल्यों की पुनर्स्थापना एवंस्वदेशीभारतीय ज्ञानपरम्पराओं के संरक्षण के लिए 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' के द्वाराकिए गए शैक्षिकनवाचारों की भूमिका का विश्लेषणात्मक अध्ययन करनाहै।पूरेविश्वमेंभारतीय संस्कृतिअपनेउच्चनैतिकमूल्यों एवंस्वदेशीकलाकौशल के ज्ञान से युक्तशिक्षा प्रणाली के लिए जानीजातीरहीहै।पिछलेकुछदशकोंमेंभारत की शिक्षा प्रणालीमेंतीव्रपरिवर्तन देखा गयाहै, जोआधुनिकीकरण, वैश्वीकरणऔरतकनीकीप्रगति के प्रभाव का परिणामहै।आज 21वीं शताब्दीमेंउच्चसूचनातकनीक के बढ़तेउपयोग के कारणशिक्षा की पारंपरिकअवधारणाएंपरिवर्तितहोरहीहैं।वर्तमानमेंविद्यार्थीगुरु ज्ञान एवंपुस्तकीय ज्ञान के बजाए गूगलज्ञानपरअधिकनिर्भरहोतेजारहेहैं।शिक्षणसंस्थानों मे भीअंग्रेजीभाषा, गणित, विज्ञानऔरअन्य व्यवसायिकपाठ्यक्रमोंपरअधिकजोरदियाजारहाहै।मानवीय मूल्योंपरआधारितनैतिकशिक्षा कोबहुत कम महत्वदियाजाताहै।वर्तमानमेंविद्यार्थियों के जीवन मेंविनम्रता, सत्यनिष्ठा, सदाचार, प्रेम, परोपकारअनुशासन, सहिष्णुताऔरअहिंसाजैसेगुणों का निरन्तरकमजोरहोना एक चिन्ता का विषय है। इस समस्या के निराकरण के लिए भारतसरकार द्वारा 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' (एन°ई°पी° 2020) का निर्माणकियागयाहै। यह नीतिभारतीय ज्ञानपरंपरापरआधारितहैतथाआधुनिक, वैज्ञानिकऔरतकनीकीशिक्षा के साथ–साथभारतीय सांस्कृतिकमूल्यों, विश्वासों, औरआदर्शोंकोआत्मसातकिए हुए है। एन°ई°पी° 2020 भारतकोपुनः विश्वगुरु बनानेतथाविकसितभारत के लक्ष्य कोप्राप्तकरने के लिए प्रतिबद्ध है।

कुंजी शब्द–आधुनिकभारत, समाज, संस्कृति, मूल्य परिवर्तन, नैतिकशिक्षा औरराष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

प्रस्तावना–

शिक्षा मानव जीवन की प्रगति की प्रथमसीढ़ी है।किसीभीदेश की शिक्षा प्रणाली उस देश की सांस्कृतिकविरासतऔरनैतिकज्ञानपरम्पराओं का संरक्षणकरकेउन्हेंपीढ़ी दरपीढ़ी हस्तांतरितकरतीहै।शिक्षा राष्ट्र की नईपीढ़ी के बच्चों की शारीरिक, मानसिक, सामाजिकऔरसंवेगात्मक क्षमताओं का विकासकरतीहै, जिससेवेसमाज के सक्रिय औरउत्तरदायीनागरिक बन सकेंऔरदेश के नवनिर्माताबनकरराष्ट्रीय एकताऔर अखंडताकोबनाए रखें।ब्रिटिश शासन से पूर्वभारत की शिक्षा प्रणालीनैतिकमूल्यों एवंस्वदेशीज्ञानपरंपराओं से परिपूर्णथी। धीरे–धीरेपाश्चात्य प्रभाव के कारणभारतीय शिक्षा प्रणाली से नैतिकमूल्योंऔरपरम्परागतशिक्षाओं का महत्त्व कम होतागया।प्राचीनभारतमेंगुरुकुलोंमेंबच्चोंकोबचपन से हीनैतिकमूल्यों की शिक्षा दीजातीथी।भारतमें तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिलाऔरवल्लभीजैसेविश्वविद्यालय थेजहांविश्वभर से विद्यार्थीउच्चशिक्षा औरआध्यात्मिकज्ञानप्राप्तकरने के लिए आतेथे।भारतीय संस्कृति की समृद्ध विरासतकोआनेवालीपीढ़ियों के लिए शिक्षा के माध्यम से संरक्षित रखनाअनिवार्यहै।अतः अनेकविद्वानों एवंशिक्षाशास्त्रियों ने भारत के उज्जवलभविष्य

के लिए देशीज्ञानपरम्पराओंऔरनैतिकमूल्यों से युक्त एक नईशिक्षा नीतिबनाने का सुझाव दिया।इनसुझावों के आलोकमें 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' कोनिर्मितऔरक्रियान्वितकियागयाहै। यह नीतिपरंपरागतज्ञानप्रणालीकोआधुनिकशिक्षा प्रणाली के साथ एकीकृत करने के लिए ठोस समाधानप्रस्तुतकरतीहै।

साहित्य समीक्षा–

शिक्षा प्रणालीमेंनैतिकशिक्षा की अनिवार्यतापरकुछविद्वानों के मत इस प्रकारहैं :–

1. **डॉ प्रवीणकुमारगुप्त (2022)** ने अपने शोधपत्र मेंलिखा हैकिशिक्षा के द्वारा न केवलव्यक्ति का सर्वांगीणविकासहोताहैबल्किसामाजिकऔरसांस्कृतिकविरासत का संरक्षणभीहोताहै।स्वतन्त्रताप्राप्ति के पश्चातभीभारतीय शिक्षा व्यवस्थापूर्णतः पाश्चात्त्य शिक्षा से प्रभावितरहीहै, भारतीय भावनाओं, मूल्योंऔरमानकोंकोइसमेंकोईस्थाननहींमिला।नईशिक्षा नीति 2020 मेंभारत के सांस्कृतिकमूल्यों, प्राचीनज्ञान एवंकौशलकोविशेषस्थानदियागयाहैतथानैतिकमूल्यों के क्षरणकोरोकने के उपायों के रूपमेंनैतिकशिक्षा कोमहत्वदियागयाहै।
2. **एम. वी. ढोले एवंअन्य (2022)** ने अपने शोध पत्र मेंमुख्य रूप से शिक्षा मेंनैतिकमूल्यों, आचार–विचारऔरचरित्र के महत्वकोप्रस्तुतकियाहै, साथहीछात्रों के चरित्र निर्माण की आवश्यकताकोभी।लेखकआधुनिक युगमेंछात्र जीवन मेंदिन–प्रतिदिन घटतेनैतिकमूल्यों से संबंधितमहत्वपूर्णतथ्यों की जांचकरतेहैं।प्रौद्योगिकी, तकनीकीप्रगतिऔरवैश्वीकरणसामाजिक जीवन की जटिलताओंमें योगदान दे रहेहैं। इस पत्र का उद्देश्य नैतिकशिक्षा के लिए एक शिक्षणऔरसीखने के मॉडल के रूपमें एक समुदाय–आधारितपरियोजनाकोलागूकरने का प्रस्तावकरनाहै। यह पत्र इंगितकरताहैकिछात्र जीवन के विकासमेंनैतिकशिक्षा कितनीमहत्वपूर्णहै।
3. **पी. बंसल (2022)** ने अपने अध्ययन मेंस्पष्टकियाहैकिआज की दुनियामेंविज्ञानऔरप्रौद्योगिकी के क्षेत्र मेंबहुतसारेविकासहुए हैं।इनप्रगतियों ने समाजकोबेहतरबनायाहै, लेकिनकभी–कभीइनकासमग्रविकासपरप्रतिकूलप्रभावभीपड़ताहै।अतः समाजकोहोनेवालेनुकसानको कम करने के लिए विशिष्ट क्षेत्रोंपर ध्यानकेंद्रितकियाजानाचाहिए।इनमें से एक महत्वपूर्ण क्षेत्र ''मूल्य शिक्षा'' का अध्ययन है।मूल्य शिक्षा मानव के सर्वांगीणविकास के लिए अपरिहार्यहै।वैश्वीकरण के इस वर्तमान युगमेंमूल्य शिक्षा कोलागूकरनाआवश्यक है।
4. **डी. के. भक्त (2017)** ने अपने अध्ययन मेंस्पष्टकियाहैकि युवापीढ़ी मेंनैतिकमूल्यों का ह्रासभारतमें एक महत्वपूर्णसमकालीनमुद्दाहै।नैतिकता का अर्थहैकिसीव्यक्ति के कार्य, विचार या भावना की अच्छाई की उपयुक्तता। युवापीढ़ी किसीराष्ट्र की प्रेरक शक्तिहोतीहै।लेकिनआजकल युवापीढ़ी कोविभिन्नअनैतिकगतिविधियोंजैसे धूम्रपान, शराबपीना, अपशब्दबोलना, झगड़ाकरना, यौन शोषणआदि के माध्यम से प्रतिकूल रूप से भटकायाजारहाहै।लेखक के अनुसार इस समस्या का सामनाकाफीहदतकमूल्य आधारितशिक्षा के माध्यम से कियाजासकताहै।

अध्ययन के उद्देश्य –

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वाराभारतीय शिक्षा प्रणालीमेंनवाचार के लिए प्रस्तुतप्रावधानों का अध्ययन औरउनकाउल्लेख करना।
2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के नैतिक एवंस्वदेशीस्वरुपकोरेखांकितकरना।

अध्ययन की प्रासंगिकता–

21वीं शताब्दीमेंमानवसमाजप्रौद्योगिकीकरणऔरआधुनिकीकरण के कारणउन्नतितोकररहाहै, परन्तुसाथहीसाथसमाजमेंप्रतिस्पर्धाऔरप्रतिद्वंदिता की भावनाभी बढ़ती जारहीहै।इसकेकारणसंस्कृति, सभ्यता, जाति, धर्म, समुदाय एवंसम्प्रदाय आदि के बीचटकरावऔरसंघर्षउपस्थितहोगयाहै।इसकामुख्य कारणशिक्षा व्यवस्था का बदलतास्वरूपहै।भारत की परम्परागतशिक्षा व्यवस्थावैदिकशिक्षा से प्रभावितथी, जिसमेंमूल्यों, आदर्शों एवंनैतिकगुणों का समावेशथा।आज की शिक्षा प्रणालीव्यक्तिमेंसंस्कारों, आदर्शोंतथामूल्यों की जगहव्यवसायिक एवंभौतिकवादी दृष्टिकोण का विकासकररहीहै।पूर्वमेंसंयुक्तपरिवारमेंजबशिशुजन्मलेताथातो घरमेंबड़ेबुजुर्गों की छत्रछाया मेंबच्चानैतिकताऔरशिष्टाचार के संस्कारसीखताहुआबड़ाहोताथा, किन्तुवर्तमानसमाजमें एकलपरिवारों का चलनहै, जहांबच्चा घरमेंअकेलेहीवीडियोगेमअथवाकंप्यूटरपर खेल खेलताहै।इससेउसमेंमित्रता, बन्धुत्व, सहयोग, प्रेम, सदाचार, नैतिकव्यवहारआदिमूल्यों का विकासनहींहोपाताहै। शैक्षणिकसंस्थानोंमेंव्यावसायिकताऔरआर्थिकउन्नतिपरअधिक ध्यानदियाजाताहै।जिसकेपरिणामस्वरूपसमकालीनसमाजमेंभारतीय भावनाओं, नैतिकमूल्यों एवंआदर्शसंस्कारों का महत्व कम होताजारहाहै। एन°ई°पी° 2020 विश्वमेंभारत की पहचानबनानेवालेमूल्यों, संस्कारों, आदर्शोंऔरज्ञानकोपुनः जीवितकरनेहेतुनैतिकशिक्षा कोअनिवार्यकियेजाने की घोषणाकरतीहै।अतः समाज एवंदेशहितमें एन°ई°पी° 2020 के महत्त्वपूर्णप्रवधानों का अध्ययन एवं उन परप्रकाशडालनाअत्यन्तप्रासंगिकहै।

शोध पद्धति–

प्रस्तुत शोध विषय परजानकारीप्राप्तकरनेतथासमीक्षा के लिए द्वितीयक स्त्रोतों से प्राप्तसामग्री का उपयोगकियागयाहै। द्वितीयकआंकडेंपुस्तकों, शोध पत्रों, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, इंटरनेटइत्यादि के माध्यम से संकलितकिए गए हैंऔरउनकापूराविवरणसंदर्भग्रन्थसूचीमेंदियागयाहै।

'एन°ई°पी° 2020' के शैक्षिकनवाचारसम्बन्धीप्रावधान–

नवाचारवहपरिवर्तनहैजोपूर्वस्थितविधियों एवंप्रणालियोंमेंनवीनता का संचारकरताहै। एन°ई°पी° 2020 द्वारा शैक्षिकप्रणालीमेंनवाचार का उद्देश्य शिक्षणप्रक्रियाकोगुणात्मकदृष्टि से प्रभावीबनानातथाशिक्षा व्यवस्थाकोविश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धामेंसर्वोच्चबनानाहै।नईशिक्षा नीतिभारतीय ज्ञानपरम्पराकोकेन्द्रमानतेहुए शिक्षा के क्षेत्र मेंभारतीय सांस्कृतिकमूल्यों, विश्वासों, आदर्शोंऔरआवश्यकताओंकोआत्मसातकियेहुए है। यह नीतिभारत की परम्पराऔरसंस्कृतिकमूल्योंकोबरकरार रखतेहुए, 21वीं सदी की शिक्षा के लिए आकांक्षात्मक लक्ष्यों, जिनमेंसततविकास लक्ष्य शामिलहै, के संयोजनमेंशिक्षा व्यवस्था के सभीपक्षोंमेंसुधारऔरपुनर्गठन का प्रस्ताव रखतीहै।नईनीतिमेंस्पष्ट रूप से कहागयाहैकिशिक्षा शिक्षार्थियों के जीवन के सभीपक्षों का विकासकरेइसकेलिए पाठ्यक्रममेंविज्ञानऔर गणित के अलावाबुनियादीकला, शिल्प, मानविकी, खेल, भाषा, साहित्य, संस्कृतिऔरमूल्य का अवश्य हीसमावेशकियाजाये।शिक्षा से चरित्र निमार्णहोनाचाहिए, शिक्षार्थियोंमेंनैतिकता, तार्किकता, करुणाऔरसंवेदनशीलताविकसितकरनीचाहिए औरसाथहीरोजगार के लिए सक्षमबनानाचाहिए। यह नीति इस सिद्धांतपरआधारितहैकिशिक्षा से न केवलसाक्षरताऔर संख्याज्ञानजैसी 'बुनियादी क्षमताओं' का विकासहोनाचाहिए बल्किनैतिक, सामाजिकऔरभावनात्मकस्तरपरभीव्यक्ति का विकासहोनाआवश्यक है। (एन°ई°पी° 2020, पृष्ठ–3,4)

भारतीय ज्ञानपरंपरा का संरक्षणऔरपुनरुद्धार –

एन°ई°पी° 2020 मेंस्पष्टउल्लेख कियागयाहैकिप्राचीनऔरसनातनभारतीय ज्ञानपरंपरा के आलोकमें यह नीतितैयार की गयीहै।प्राचीनभारत के विश्वस्तरीय संस्थानों ने विभिन्नपृष्ठभूमिऔरदेशों से आनेवालेविद्यार्थियोंऔरविद्वानोंकोलाभान्वितकियाथा।भारतीय संस्कृति की इस समृद्ध विरासतकोआनेवालीपीढ़ियों के लिए शिक्षा व्यवस्था द्वारासंरक्षित रखने की जरूरत हैतथाउसेऔरअधिक समृद्ध कियाजानाचाहिए।(एन°ई°पी° 2020, पृष्ठ–4,5)

शैक्षिकसमानताऔरसार्वभौमिकता–

नईनीति 2020 मेंकहागयाहैकिसभीविद्यार्थियों के लिए, चाहेउनकानिवासस्थानकहीभीहो, गुणवतापूर्णशिक्षा उपलब्ध करानीहोगी।वंचितऔरअल्पप्रतिनिधित्ववालेसमूहों के सभीबच्चों के लिए, परिस्थितिजन्य बाधाओं के बावजूद, हरसंभवपहल की जानीचाहिए जिससेवेशिक्षा व्यवस्था मे प्रवेशभीपासकेंऔरउत्कृष्ट प्रदर्शनभीकरसकें । (एन°ई°पी° 2020, पृष्ठ–5)

एन°ई°पी° 2020 के छठे अध्याय मेंज्ञानसमानतापरकहागयाहैकिसमतामूलकऔरसमावेशीशिक्षा एक आवश्यक लक्ष्य हैऔरसमाजनिर्माण के लिए भीअनिवार्यहै।(एन°ई°पी° 2020, बिंदु 6.1, पृष्ठ–38)

प्रारंभिकबाल्यावस्था देखभालऔरशिक्षा (ई°सी°सी° ई°)–

एन°ई°पी° 2020 के अनुसारबच्चों के मस्तिष्क का 85 प्रतिशतविकास 6 वर्ष की अवस्था से पूर्वहीहोजाताहै।बच्चों के मस्तिष्कऔर शारीरिकविकास के लिए आरंभिक 6 वर्षोंकोमहत्वपूर्णमानागयाहै।इसलिए वर्ष 2030 तक 3 वर्ष से 6 वर्ष के प्रत्येकबच्चे के लिए निःशुल्क, सुरक्षित, उच्चगुणवत्तापूर्ण एवंविकासात्मक देखभालऔरशिक्षा की पहुंचकोसुनिश्चितकरनाहैताकिपहली कक्षा मेंप्रवेशपानेवालेसभीबच्चेस्कूलीशिक्षा के लिए पूरीतरह से तैयारहोजाएँ। (एन°ई°पी° 2020, बिंदु 1.1, पृष्ठ–9)

विद्यार्थियों का चरित्र निमार्ण–

एन°ई°पी° 2020 मेंविद्यार्थियों के चरित्र निर्माणऔरनैतिकविकासकोविशेषमहत्वदियागयाहै। यह नीतिकहतीहैकिविद्यार्थियोंको कम उम्रमें ''सहीकोकरने'' के महत्वकोसिखायाजाएगा।बच्चोंकोअपने जीवन मेंनैतिकमूल्योंकोअपनाने, नैतिकनिर्णय लेनेऔरनैतिकआचरणअपनानेपरजोरदियाजाएगा।विभिन्न रूपोंमेंचरित्र निमार्ण द्वाराबुनियादी, मानवीय औरसंवैधानिकमूल्योंकोविद्यार्थियोंमेंविकसितकियाजायेगा।मादकपदार्थों के हानिकारकप्रभावोंकोभीपाठ्यक्रममें शामिलकियाजायेगा।(एन°ई°पी° 2020, बिंदु 4.28, पृष्ठ–24)

नईशिक्षा नीति 2020 मेंविद्यार्थियों के जीवन एवंचरित्र निमार्ण के लिए नैतिकशिक्षा कोविशेषमहत्त्वदियागयाहै।

भारतीय भाषाओं, कलाऔरसंस्कृति का संवर्धन–

एन°ई°पी° 2020 के अनुसारभारतसंस्कृति का समृद्ध भण्डारहैजोहजारोंवर्षोंमेंविकसितहुआहै।भारत की इस सांस्कृतिकसंपदा का संरक्षण, संवर्धन एवंप्रसार, देश की उच्चतरप्राथमिकताहैक्योंकिबच्चोंमेंइसके द्वाराही एक सांस्कृतिकपहचानऔरआत्म–सम्माननिर्मितकियाजासकताहै।(एन°ई°पी° 2020, बिंदु 22.1 और 22.2, पृष्ठ–86)

नईशिक्षा नीति 2020 मेंमातृभाषाऔर क्षेत्रीय भाषापरविशेषजोरदेतेहुए कहागयाहैकिस्कूलस्तरपर कम से कम पाँचवी कक्षा तक की पढ़ाई क्षेत्रीय भाषामेंहोनीचाहिए।इसकेअलावाभारतीय भाषाएँ स्कूलोंऔरउच्चशिक्षा मेंभीलागूहोगी। (एन°ई°पी° 2020, बिंदु 22.10, पृष्ठ–89)

शिक्षणपद्धतिमेंनवाचार–

एन°ई°पी° 2020 मेंविद्यार्थियों के विकास की अलग–अलगउम्र की अवस्थाओं के मुताबिकपाठ्यक्रम की एक 5+3+3+4की संरचनाडिजाइन की गईहै।जिसकेतहतक्रमशः फाऊंडेशनलस्टेज, प्रिपरेटरीस्टेज, मिडिलस्कूलस्टेजऔरसेकेंडरीस्टेज शामिलहोगी।(एन°ई°पी° 2020, बिंदु 4.1, पृष्ठ–16)फाउंडेशनलस्टेज के अन्तर्गत 3 वर्ष से 6 वर्ष के बच्चों के लिए पाँचवर्षीय लचीले, बहुस्तरीय, खेल एवंगतिविधियोंपरआधारितई°सी°सी°ई° के पाठ्यक्रम शामिलहोंगे, जिसमें अक्षर, भाषा, संख्या, गिनती, रंग, आकार, इंडोर एवंआउटडोर खेल, पहेलियाँ औरतार्किकसोच, चित्रकला, पेंटिंग, शिल्प, नाटक, कठपुतली, संगीतआदिको शामिलकियागयाहै।प्रीप्रेटरीस्टेजतीनवर्ष की होंगीजिसमेंपाठ्यपुस्तकऔरसंवादात्मक कक्षा शैली के जरियेपढ़ने, लिखने, बोलने, शारीरिकशिक्षा, कला, भाषा, विज्ञानऔर गणित के अध्ययन–अध्यापनको शामिलकियागयाहै।मिडिलस्टेजमेंभीतीनवर्ष की शिक्षा होगी, जिसमेंविज्ञान, गणित, कला, खेल, सामाजिकविज्ञान, मानविकीऔरव्यावसायिकविषयोंकोपाठ्यक्रममें शामिलकियागयाहै।हाईस्कूल(या सेकेंडरी)स्टेजमेंचारसाल के बहुविषयक अध्ययन शामिलहोंगे, जोविषय उन्मुख औरविद्यार्थियों द्वाराविषयों के चुनाव के साथहोंगे।ग्रेड 10 के बादव्यावसायिक या किसीविशेषज्ञताप्राप्तस्कूलमेंग्रेड 11–12 मेंअन्य कोर्स के चुनाव के विकल्पभीविद्यार्थियों के लिए बनेरहेंगे।

उपरोक्तसभीस्तरोंपरपाठ्यचर्याऔरशिक्षाविधि का समग्रकेंद्रबिन्दुशिक्षा कोरटने की पुरानीप्रथा से अलगवास्तविक समझऔरज्ञान की ओरलेजानाहै।शिक्षा का उद्देश्य केवलसंज्ञानात्मक समझ न होकरचरित्र निर्माणकरनाऔर 21वीं शताब्दी के मुख्य कौशल से सुसज्जितकरनाहै। (एन°ई°पी° 2020, बिंदु 4.2 और 4.4, पृष्ठ–17)

नईनीति के शैक्षिकनवाचारों के क्रियान्वयन की रणनीतियाँ –

एन°ई°पी° 2020 के शैक्षिकनवाचारों के सफलक्रियान्वयन के लिए राष्ट्रीय, राज्य, संस्थागतऔरव्यक्तिगतस्तरपरठोसकदमउठायेजाने की आवश्यकताहै। इस संदर्भमें यह नीतिकेन्द्रीय शिक्षा सलाहकारबोर्ड के सशक्तिकरण की अनुशंसाकरतीहै।भारतमेंउत्कृष्टता के साथशिक्षा के लक्ष्य कोपाने के लिए यह नीति, केन्द्रतथासभीराज्य सरकारों द्वारा, शिक्षा मेंनिवेशकोपर्याप्त रूप से बढ़ाने का समर्थनकरतीहै। (एन°ई°पी° 2020, बिंदु 25. 1 और 26.2, पृष्ठ–99)शिक्षा के क्षेत्र के लिए उपलब्ध बजट के सहीउपयोग के लिए वित्तीय प्रशासन एवंप्रबन्धन इस बातपर ध्यानदेगाकिशिक्षा के क्षेत्र के लिए निधियाँआसानी से, समय पर एवंउचित मात्रा मेंउपलब्ध होऔरउसका व्यय ईमानदारी से कियाजाए। यह नीतिशिक्षा क्षेत्र मेंनिजीपरोपकारीगतिविधियोंकोपुनर्जीवितकरने, सक्रिय रूप से प्रोत्साहितकरनेऔरसमर्थनकरने की अनुशंसाकरतीहै। (एन°ई°पी° 2020, बिन्दु 26.5 और 26.6, पृष्ठ–100) इस नीति के क्रियान्वयनकोशिक्षा में शामिलसभीनिकायों(जैसेकि मानवसंसाधनविकासमंत्रालय, केन्द्रीय शिक्षा सलाहकारबोर्ड, केन्द्र एवंराज्य सरकारें, शिक्षा सम्बन्धीमंत्रालय, शिक्षा विभाग, बोर्ड्स, एन.सी.ई.आर.टी., स्कूल एवंउच्चतरशिक्षण संस्थान) द्वारासमन्वय एवंतालमेल के साथनेतृत्वप्रदानकियाजायेगा।(एन°ई°पी° 2020, बिन्दु 27.1, पृष्ठ–101)मानवसंसाधनविकासमंत्रालय औरराज्यों द्वारानिर्दिष्टटीमों के द्वाराप्रत्येकचरण के लक्ष्यों के अनुसारनीति की प्रतिवर्षसंयुक्तसमीक्षा की जायेगीऔरकेन्द्रीय शिक्षा सलाहकारबोर्ड(केब) के साथसाझा की जाएगी। 2030–40 के दशकतकसम्पूर्णनीति के क्रियान्वयन के बाद एक औरव्यापकसमीक्षा की जाएगी।(एन°ई°पी° 2020, बिन्दु 27.3, पृष्ठ–102)

निष्कर्ष–

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने शिक्षा कोनवीनस्वरूपप्रदानकरने का लक्ष्य निर्धारितकियाहै।वर्तमान समय मेंशिक्षा पूर्णतयासार्वभौमिक, निःशुल्क एवंबालकेन्द्रितहै।सरकार द्वाराविद्यालयोंकोसभीभौतिकसुविधायेंउपलब्ध करायीजाचुकीहै, जैसेभोजन, बिजली, पानी, वर्दी, मध्यान्हभोजन, छात्रवृति, शिक्षणसामग्री के लिए धनराशिआदि।विद्यार्थियों की संख्या मेंभीआशानुरूपवृद्धि हुईहै। इस नीति ने व्यक्ति, समाजऔरराष्ट्र के कल्याण के लिए एक नईआधारशिला का निमार्णकियाहै।समकालीनसमाज की आवश्यकताओंको ध्यानमें रख कर एन°ई°पी° 2020 मेंमानव जीवन के समस्तनैतिक एवंआध्यात्मिकमूल्योंकोपुनः स्थापितकियागयाहै, जोकिभारतीय संस्कृति के संरक्षण एवंहस्तांतरण के लिए अतिआवश्यक कदमहै।निस्संदेहकहाजासकताहैकिनैतिकशिक्षा से युक्त यह नवीनशिक्षणपद्धतिनिकटभविष्य मेंभारतको एक ''विकसितराष्ट्र'' तथा ''वैश्विकज्ञानमहाशक्ति'' (ग्लोबल नॉलेज सुपरपावर)बनानेमेंमहत्वपूर्ण योगदानदेगी।

सन्दर्भग्रन्थसूची–

- नेगी, पूजा. 2024. *राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 द्वारानैतिकता व मूल्यों की पुनर्स्थापना.* द अकेडमिक : इंटरनेशनलजर्नलऑफमल्टीडिसीप्लिनरीस्टडीज. 02(06). पृष्ठ संख्या 291–297
- गुप्ता, डॉ. पी. के. 2022. *राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 : 21वीं सदीमेंनैतिकमूल्यों की पुनर्स्थापना के विशेषसंदर्भमें.* एजीपीई द रॉयलगोंडवानारिसर्चजर्नलऑफहिस्ट्री, साइंस, इकोनॉमिक्स, पोलिटिकल एंडसोशलसाइंस. 03(07). पृष्ठ संख्या 1–6.
- ढोले, एम. वी., वासडे, डी. एवंभोंगाडे, डॉ. डी. एस. 2022. *इम्पैक्टऑफमोरलवैल्यूजइन द डेवलपमेंटऑफस्टूडेंट्सलाइफइनमॉडर्न एरा.* इंटरनेशनलजर्नलऑफकरंटइंजीनियरिंग एंडसाइंटिफिकरिसर्च. 09(11). पृष्ठ संख्या 27–29.
- बंसल, पी. 2022. *रिजन्स एंडसोलूशन्सफॉर द डेटीरियोरेशनऑफवैल्यूज एजुकेशनइनसोसाइटी.* इंटरनेशनलकांफ्रेंसआनकंटेम्पररीचौलेंजेजइनमैनेजमेंट एजुकेशनइंजीनियरिंग एड एप्लाइडसाइंसेज. पृष्ठ संख्या 245–252.
- मानवसंसाधनविकासमंत्रालय. 2020. *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020.* भारतसरकार.
- सिंह, सुरेन्द्र. पाल. एवंकुमार, संजीव. 2020. *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : प्रारम्भिकबाल्यावस्था देखभालऔरशिक्षा.* शोध समागम. 03 (04). पृष्ठ संख्या 1270–1275.
- भक्त, डी. के. 2017. *डिग्रडेशनऑफमोरलवैल्यूजअमंग यंगजनरेशन : ए कंटेम्पोरिइशूइनइंडिया.* इंटरनेशनलरिसर्चजर्नलऑफइंटरडिसिप्लिनरी एडं मल्टीडिसिप्लिनरीस्टडीज. 03(05). पृष्ठ संख्या 128–133.
- दवे, अमित. कुमार. एवंदवे, पूनम. 2014. *मूल्य शिक्षा की आवश्यकता. भारतीय आधुनिकशिक्षा.* पृष्ठ संख्या 5–9.